REPORT OF THE DEPARTMENT-RELATED PARLIAMENTARY STANDING COMMITTEE ON URBAN AND RURAL DEVELOPMENT

SHRI H.K. JAVARE GOWDA (Karnataka) : Madam, I beg to lay on the Table a copy (in English and Hindi) of the Thirty-eighth Report of the Department Related Parliamentary Standing Committee on Urban and Rural Development (2002) on The Delhi Apartment Ownership Bill, 2001.

LEAVE OF ABSENCE

THE DEPUTY CHAIRMAN : I have to inform Members that a fax message has been received from Shri Yusuf Sarwar Khan, *alias* Dilip Kumar, stating that he is unable to attend the House due to his ill-health. He has, therefore, requested for grant of leave of absence for the I97th Session of the Rajya Sabha.

Does he have the permission of the House to remain absent from all meetings of the House during the current session, *i.e.*, the 197th session of the Rajya Sabha?

(No *hon. Member dissented.)*

THE DEPUTY CHAIRMAN : Permission to remain absent is granted.

MATTER RAISED WITH PERMISSION OF CHAIR

Re. Privilege Notice given by Member against the Minister

Re. Reported deaths of some employees of the disinvested Centaur Hotel, Mumbai

श्री संजय निरूपम (महाराष्ट्र) **:** उपसभापति महोदया, माननीय चेयरमैन साहब ने मुझे अनुमति दी है इसलिए मुझे दो छोटे-छोटे विषय रखने हैं।

उपसभापति : दो विषय ? एक विषय की अनुमति दी होगी। किस विषय पर अनुमति दी है?

श्री संजय निरूपम : एक तो मेरा प्रिविलेज का नोटिस है । माननीय विनिवेश मंत्री, श्री अरूण शौरी जी, ने 4 तारीख को, जब हम यहां पर विनिवेश पर चर्चा कर रहे थे...

उपसभापति : भाषण नहीं करिए, खाली कह दीजिए जो आपका प्रिविलेज नोटिस है।

श्री संजय निरूपम : मैं भाषण नहीं कर रहा हूं, वहीं कह रहा हूं।

उपसभापति महोदया , 4 तारीख को विनिवेश पर जब इस सदन में चर्चा चल रही थी, उस समय मैंने जो अपना भाषण दिया था और जो तथ्य रखे थे, उन तथ्यों पर माननीय विनिवेश मंत्री जी ने यह आरोप लगाया था कि यह सब कुछ फेब्रिकेटिड हैं। उस आधार पर, उनके इस बयान के आधार पर मैंने 6 दिसम्बर को राज्य सभा के माननीय सभापति जी को राज्य सभा की कार्यवाही पुस्तिका के रूल, नियम 188 के अंतर्गत एक प्रिविलेज का नोटिस दिया था। मैं आपसे यह जानना चाहता हूं कि उस नोटिस का क्या हुआ, उस नोटिस के बारे में सभापति महोदय ने क्या निर्णय लिया है?

उपसभापति : उस नोटिस के बारे में, जो आपने चेयरमैन साहब को दिया था, चेयरमैन साहब उसकी इंक्वायरी या कंसिड्रेशन जो करना होता है, वह कर रहे हैं, उसके बाद जो भी चेयरमैन साहब का आदेश होगा, हम आपको इन्फार्म कर देंगे।

श्री संजय निरूपम : नोटिस देने की जो वजह थी वह डिसइन्वेस्टमेंट और विशेषकर एयर पोर्ट का सेंटॉर होटल थी । उस एयर पोर्ट के सेंटॉर होटल के बारे में मैं आज के इस शून्य प्रहर में छोटी सी जानकारी यहां रखना चाहता हूं कि जब से सेंटॉर होटल का डिसइन्वेस्टमेंट हुआ है,तब से लेकर आज तक,यानी जून,2002 से लेकर आज तक सेंटॉर होटल के पांच कर्मचारी,वे भी निचले स्तर के कर्मचारी, उन कर्मचारियों को दिल का दौरा पड़ा है या ब्रेन हेमरेज हुआ है और उसमें से चार लोगों की मृत्यु हो गई है, एक व्यक्ति अभी भी अस्पताल मे मौत से जूझ रहा है। जून महीने में जब डिसइन्वेस्टमेंट हुआ तो सबसे पहले, सबसे पहले मैं बताना चाहता हूं कि जिस व्यक्ति को चार-पांच दिन पहले ब्रेन हेमरेज हुआ था कल उस व्यक्ति ने केन अस्पताल में दम तौड़ है, वह चार-पांच दिनों से "कोमा" में था, मैनेजमेंट ने उसका कोई ख्याल नहीं रखा। जब उसको ब्रेन हेमरेज हुआ, वह उस समय काम पर था। तो "चन्द्रकाम सांमत" और उसके पहले जो आकस्मिक मौत का सिलसिला शुरू हुआ है सेटॉर होटल में, मै जानना चाहता हूं कि क्या इसका कोई विनिवेश से नाता है? क्या जबरदस्ती जिस तरह से उनको वी0आर0एस0 दिया जा रहा है और वी0आर0एस0 के नाम पर जिस तरह से कर्मचारियों को प्रताड़ित किया जा रहा है, क्या उसकी वजह से लोगों की जान जा रही है? ...(**व्यवधान**)...

उपसभापति : चेयरमैन साहब ने खाली इन्हें बोलने की इजाजत दी है, बस इनके अलावा मैं किसी को अलाऊ नहीं करूंगी। ...(**व्यवधान**)... I will not allow you to speak. Please, sit down *...(Interruptions)...*

श्री संजय निरूपम : मुझे अपनी बात तो पूरी कर लेने दीजिए। **...(व्यवधान)...**

श्री सुरेश पचौरी (मध्य प्रदेश) **:** वहां के कर्मचारी मानिसक प्रताड़ना के शिकार हो रहे हैं। **...(व्यवधान)...**

उपसभापति : सुरेश पचौरी जी, नहीं। चेयरमैन साहब ने जितनी परमीशन दी है, मैं उतनी ही परमीशन दूंगी। श्री दारा सिंह चौहान।

श्री संजय निरूपम : उपसभापति महोदया, 5 जून को **...(व्यवधान)...**

उपसभापति : अच्छा, अब बात हो गई ना**...(व्यवधान)**

श्री संजय निरूपम : उपसभापति महोदय, 5 जून को **...(व्यवधान)**

श्री जीवन राय (पश्चिमी बंगाल) **:** मैडम, यह बहुत गंभीर मामला है **...(व्यवधान)..**

उपसभापति **:** आपको तो इज़ाजत नहीं दी है, आप क्यों बोल रहे हैं? **...(व्यवधान)** आप सुनिए, बैठकर सुनिए, खड़े रहकर सुनने की कोई जरूरत नहीं है **...(व्यवधान)** बैठिए, बैठकर सुनिए **...(व्यवधान)** I am not allowing it. *...(Interruptions)...* I am not allowing it. Please sit down. *...{Interruptions)...* I said कृपया अपने स्थान पर बैठ जाइए और बीच में बोलना नहीं, नहीं **...(व्यवधान)** चेयरमैन साहब ने केवल इनको परमीशन दी है, मैं और किसी को एलाऊ नहीं करूंगी, मैं बिल्कुल एलाऊ नहीं करूंगी **...(व्यवधान)**

श्री संजय निरूपम : उपसभापति महोदया, मैं याद दिलाना चाहता हूं कि **... (व्यवधान)**

उपसभापति : अच्छा, ज्यादा लंबी याद मत दिलाइए **...(व्यवधान)**

श्री संजय निरूपम : महोदया, मैं ज्यादा लंबा नहीं करूंगा। मैं याद दिलाना चाहता हूं कि 5 जून को बत्रा हॉस्पिटेलिटी नामक कंपनी ने इस होटल का टेकओवर किया **...(व्यवधान)**

उपसभापति : नहीं, वह डिस्कशन हो चुका है। देखिए, चेयरमैन साहब अगर परमीशन देते हैं तो एक विषय को फिर से हम डिस्कस नहीं करते। यहां डिसइन्वेस्टमेंट के बारे में फिर से कोई डिस्कशन नहीं होगा। We cannot discuss it.

श्री जीवन राय : यह इशू हम लोगों का भी है, खाली अकेले आपका नहीं है **...(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down. *...{Interruptions)...* Sit down. According to the rules, if a matter is already discussed in the Session, it cannot be repeated. The Chairman gave him permission to only

mention about some deaths. That is it. अभी बत्रा हॉस्पिटेलिटी की कोई बात नहीं होगी। Mr. Dara Singh Chauhan. *...(Interruptions)...*

श्री संजय निरूपम : मुझे अपनी बात तो पूरी करने दीजिए **...(व्यवधान)** पूरी बात तो कहनी पड़ेगी। मुझे पूरी बात कहने दीजिए। मेरा प्रश्न सिर्फ इतना है कि विनिवेश का मानवीय चेहरा होना चाहिए **....(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN : Nothing is going on record now. . *..(Interruptions)...* I have not given permission to anybody. Please sit down. *...(Interruptions)...* We go according to the rules. *...(Interruptions)...*

श्री जीवन राय : *

श्री दीपांकर मुखर्जी : *

श्री संजय निरूपम : जिन 5 कर्मचारियों की मौत हुई है, उनके बारे में तो बताने दीजिए**....** **(व्यवधान)** 5 जून को जो विनिवेश हुआ, उस विनिवेश के ठीक 4 दिन बाद पहले कर्मचारी को दिल को दौरा पड़ा। वह काम पर आ रहा था **...(व्यवधान)**

SHRI S.S. AHLUWALIA (Jharkhand) : Madam, I am on a point of order. Can we discuss this matter threadbare? *...(Interruptions)...*

श्री संजय निरूपम : अरे, कर्मचारियों की आकस्मिक मौत रही हैं, क्या वह विषय में यहां नहीं रख सकता? मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या उन कर्मचारियों की मौत में विनिवेश का कोई रोल है **....(व्यवधान)** वी.आर.एस. की वजह से इस तरह से कर्मचारियों को प्रताडित किया जा रहा है **....(व्यवधान)**

THE DEPUTY CHAIRMAN: Let me answer. *...(Interruptions)...* I am not allowing you. *...(Interruptions)...* It is not going on record. I gave my ruling. बैठिए, बैठ जाइए ...(व्यवधान)

श्री जीवन राय : *

श्री दीपांकर मुखर्जी : *

---

*Not recorded

THE DEPUTY CHAIRMAN: We know that you have come back. The main thing is *...interruptions).,..* Just a second. *...{Interruptions)...* That is it.

श्री संजय निरूपम : उपसभापति महोदया, मैं सिर्फ यह बताना चाहता हूं कि ….(**व्यवधान**)…

उपसभापति : आप भी बैठिए ना, आराम से बैठ जाइए ….(**व्यवधान**)…

श्री संजय निरूपम : अनुमति देने के बाद भी अगर बोलने नहीं दिया गया तो …(**व्यवधान**)…

उपसभापति : देखिए, अनुमति देने के बाद आपको बोलने दिया गया है …(**व्यवधान**)…

श्री संजय निरूपम : मुझे नहीं बोलने दिया जा रहा है ….(**व्यवधान**)… मैं बताना चाहता हूं कि इस अवधि में 4 कर्मचारियो की कैसे मौत हुई ….(**व्यवधान**)… मैं एक-एक तारीख बताना चाहता हूं कि कैसे …(**व्यवधान**)… 21 अक्तूबर को होटल की दीवारों पर वी.आर.एस. का नोटिस लगाया गया था और 25 अक्तूबर को एक कर्मचारी को दिल का दौरा पड़ा। उक्त कर्मचारी उस होटल में एक ड्राईवर था। उस व्यक्ति की दिल के दौरे के कारण जान चली गई। उसके बाद दिसंबर के महीने में 3 कर्मचारियों को दिल का दौरा पड़ा है और तीनों कर्मचारी मर चुके हैं …(**व्यवधान**)…

उपसभापति : हो गया, अब बैठ जाइए …(**व्यवधान**)…

श्री संजय निरूपम : मैडम, मेरी पूरी बात समझी जानी चाहिए …(**व्यवधान**)…

THE DEPUTY CHAIRMAN: He is not allowing you to speak.

श्री संजय निरूपम : जीवन राय जी, प्लीज मुझे एलाऊ करिए ना।

उपसभापति : अब आप बैठिए। ड़ि

श्री संजय निरूपम : अगर जीवन राय जी ने एलाऊ कर दिया है तो कम से कम आप मुझे थोड़ी अनुमति दे। मैं बताना चाहता हूं कि पिछले एक महीने में 3 कर्मचारियों को दिल का दौरा पड़ा है ओर ब्रेन हैमरेज हुआ है। तीनों के तीनों मर चुके हैं। ये तीनों के तीनों काम पर थे। मैनेजमेंट लगातार उनको धमकी दे रहा है कि अगर आप वी.आर.एस. नहीं लेगे तो गोहाटी, पटना, लखनऊ में उनका तबादला कर दिया जाएगा। इसके कारण निचले तबके के जो कामगार हैं, ये बेचारे प्रताड़ित जिंदगी जी रहे हैं …(**व्यवधान**)…

THE DEPUTY CHAIRMAN: Okay. You have done it. *...(Interruptions)...* Sanjayji, please sit down. *...(Interruptions)...* Sanjayji, please sit down. *...(Interruptions)...*

श्री संजय निरूपम : ऐसी स्थिति में मेरा आपसे निवेदन है कि माननीय विनिवेश मंत्री जी से अनुरोध किया जाना चाहिए कि वे इस मामले की जांच कराएं और विनिवेश का एक मानवीय चेहरा होना चाहिए । हम विनिवेश की नीति के खिलाफ नहीं हैं लेकिन अगर विनिवेश किया जा रहा है **…(व्यवधान)…**

श्री जीवन राय : मैडम, इस विषय में मैं भी कुछ कहना चाहता हूं **….(व्यवधान)…**

उपसभापति : चेयरमैन साहब ने जिसको एलाऊ किया है, वही बोलेगा **….(व्यवधान)…** THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Sanjay, please sit down. *...(Interruptions)...*

श्री संजय निरूपम : कामगारो की नौकरियां नहीं छीनी जानी चाहिए। **…(व्यवधान)..**

THE DEPUTY CHAIRMAN : I am not allowing. Just one minute. If Chairman gives permission to someone, he should not abuse that permission. He used it and made his point. Now, I am taking up Special Mentions. Everything is done now. That matter is closed. *...(Interruptions)...* बैठ जाइए । **…(व्यवधान)…**

SHRI N.K. PREMACHANDRAN (Kerala) : You direct the Minister to respond. *...(Interruptions)...*

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, no. I can't tell the Minister. *...(Interruptions)...* Mr. Jibon Roy, please keep quiet. *...(Interruptions)...* नहीं, मैंने आपको परमिशन नही दी है। **….(व्यवधान)…**

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE (West Bengal) : Let the Minister reply. *...(Interruptions)...*

THE DEPUTY CHAIRMAN: I know that everything, which is raised by the hon. Member in this House, is as per the rules. You must go by the rules. If a matter had been discussed in the House, it cannot be discussed again. This is the rule; I cannot go beyond the rule. Don't argue. *...(Interruptions)...* Please sit down. *...(Interruptions)...* Don't argue with me. *...(Interruptions)...* Please sit down. *...(Interruptions)...*बिना परमिशन के बोलेंगे तो कोई फायदा नहीं होगा। **….(व्यवधान)….** श्री दारा सिंह चौहान, बोलिए।

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE:

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not allowing. *...(Interruptions)...* The Chairman has not permitted me and I am not allowing. *...(Interruptions)... .* Please sit down. *...(Interruptions)...* I said, "please take your seats". *...(Interruptions)...* Once I give my ruling, nothing will go on record. *...(Interruptions)...* I am not asking the Minister to make any comments just now. *...(Interruptions)...* Just one minute. I tell you one thing. When the Chairman gave permission to one Member, he did not tell me the whole House is going to reopen the issue. So, I am not allowing. *...(Interruptions)...* Sit down. *...(Interruptions)...* Please sit down. *...(Interruptions)...* Please sit down. *...(Interruptions)...* Just one minute. If you are so concerned about it, you may go and ask the Chairman. If he gives permission, I have no objection. *...(Interruptions)...* Unless and until he gives permission, I am not allowing.*...(Interruptions)...* It is not going on record. *...(Interruptions)....* Mr. Dara Singh, are you speaking or not? *...(Interruptions)...*

श्री दारा सिंह चौहान (उत्तर प्रदेश) **:** मैडम, कैसे बोलूं।

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Madam, in protest, we are walking out. *...(Interruptions)...*

(at *this stage some hon. Members left the Chamber.)*

SPECIAL MENTIONS

Demand for prohibiting indecent and undesirable advertisements on television channels

श्री दारा सिंह चौहान (उत्तर प्रदेश) **:** उपसभापति महोदया, उदारीकरण की नीति के पश्चात प्रसारण के क्षेत्र में बहुत उन्नति हुई है। आज देश में मनोरजंन और जानकारी प्रदान करने के लिए विभिन्न चैनलों की बाढ़ आ गयी है तथा विज्ञापन इन सभी चैनलों की आमदनी का प्रमुख स्रोत हैं। पैसा कमाने की होड़ में कई बार तो एक एपीसोड में इतने विज्ञापन होते हैं कि आदमी एपीसोड से ज्यादा समय विज्ञापन देखता है। बार-बार आता है "मिलते हैं ब्रेक के बाद"।

* Not recorded.